हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, गुरुवार 16 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

राजस्व न्यायालयीन एवं गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए अधिकारियों की पदस्थापना, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

मण्डला। जिले में राजस्व न्यायालयीन एवं गैर न्यायालयीन कार्यों के प्रभावी, पारदर्शी एवं त्वरित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी राहुल नामदेव धोटे ने नवीन आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार विभिन्न तहसीलों में तहसीलदार, प्रभारी नायब तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख अधिकारियों के कार्यों का पुनर्विभाजन करते हुए उन्हें राजस्व न्यायालयीन तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट संबंधी दायित्व सौंपे गए हैं। आदेश में बताया गया है कि मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग द्वारा राजस्व न्यायालयीन एवं गैर न्यायालयीन कार्यों के पृथक-पृथक संचालन के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के पालन में मंडला जिले के राजस्व अधिकारियों को उनके दायित्वों के अनुरूप विभिन्न तहसीलों में पदस्थ किया गया है, जिससे राजस्व प्रकरणों का शीघ्र एवं व्यवस्थित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। आदेश के अनुसार मंडला, नैनपुर, नारायणगंज, निवास, घुघरी एवं बिछिया तहसीलों में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए अलग अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। वहीं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए भी पृथक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंडला तहसील में तहसीलदार श्री हिमांशु भलावी, नायब तहसीलदार बम्हनी अजय श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त तहसीलदार श्री हीरालाल तिवारी को राजस्व न्यायालयीन कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित दायित्वों के लिए नायब तहसीलदार राकेश कटारिया को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नैनपुर में तहसीलदार संगम पटले, नायब तहसीलदार चिरईडोंगरी संदीप कुमार नागोसे, जबकि कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित दायित्वों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार श्री रामप्रकाश वरकड़े को नियुक्त किया गया है। नारायणगंज में तहसीलदार श्री हरिसिंह धुर्वे, नायब तहसीलदार आलोक सोनी को राजस्व न्यायालयीन कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित दायित्वों के लिए नायब तहसीलदार दिनेश वरकड़े को नियुक्त किया गया है। निवास क्षेत्र में प्र. तह. सुश्री सुष्मिता उइके, नायब तह. कैलाश कोल तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित दायित्वों के लिए नायब तह. दिनेश वरकड़े को नियुक्त किया गया है।

नियमित निरीक्षण न करने पर बीईओ पर खपा कलेक्टर, दिये कार्रवाई के निर्देश

विद्यार्थियों को प्रयोग आधारित शिक्षा से जोड़ें-डीएम

*** कलेक्टर ने किया बिछिया क्षेत्र का भ्रमण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने बुधवार को विकासखंड बिछिया अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मांझीपुर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया का औचक निरीक्षण कर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार लाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बीईओ श्री आतमजीत सिंह अहलुवालिया को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण न करने एवं शैक्षणिक गुणवत्ता पर ध्यान न देने को लेकर निलंबित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने शासकीय हाई स्कूल मांझीपुर के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। विद्यालय में सभी शिक्षक एवं 90 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण करते हुए कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों से संस्कृत विषय एवं खेल गतिविधियों से संबंधित प्रश्न पूछे। विद्यार्थी अंकित, सौरभ एवं प्रतिभा ने विषय संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए तथा अपनी खेलों में रुचि के बारे में जानकारी साझा की।

इस दौरान कलेक्टर ने विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण कर प्रभारी प्राचार्य अशोक बाजपाई से प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरणों एवं उनके उपयोग की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय के शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे ऑब्जेक्टिव टेस्ट की जानकारी लेकर उसकी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रयोग आधारित शिक्षा से जोड़ना चाहिए जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

इसके पश्चात कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया का निरीक्षण किया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए आयुष्मान मित्र श्री भूपेंद्र धुर्वे को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने दवा वितरण रजिस्टर का अवलोकन किया तथा विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। पीएनसी वार्ड में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने एवं अस्पताल व्यवस्था में कमियों को लेकर बीएमओ डॉ. अनूप कुमार भाटिया को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं स्टोर अव्यवस्थित मिलने पर स्टोर प्रभारी को निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा अस्पताल परिसर में बेहतर स्वच्छता, सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं एवं मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम श्रीमती सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत भागचंद टिमरिया, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार आदि अधिकारी उपस्थित थे।

माता के नवीन मंदिर निर्माण को लेकर निकली भव्य भ्रमण यात्रा

*** माँ नर्मदा तट पर हुआ पूजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

स्थानीय सरिता माता दरबार, डॉ. अंबेडकर वार्ड में निर्माणाधीन नवीन माता मंदिर की पूजन परंपरा के अंतर्गत 11 जुलाई से 23 जुलाई तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान मंदिर में माता की प्रतिमा के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा की भी विधिवत स्थापना की जाएगी। आयोजन के तहत प्रतिदिन सप्तचंडी के 108 पाठ, हवन एवं पूजन संपन्न हो रहे हैं। समापन दिवस 23 जुलाई को सप्तचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 11 विद्वान पंडित वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ एवं पूजन संपन्न कराएंगे। इसी क्रम में बुधवार को श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत भव्य भ्रमण यात्रा निकाली गई। यात्रा सरिता माता दरबार डॉ अंबेडकर वार्ड से प्रारंभ होकर रंगरेज घाट स्थित मां नर्मदा तट पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यात्रा में सहभागिता की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नामदेव धोटे ने बुधवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडला में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखी ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था का गहन जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, निर्वाचन अधीक्षक अरूण कुशवाहा तथा सी.के. तिवारी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब मंडला मैकल ने बढ़ाया मदद का हाथ

*** नर्सिंग छात्रा की भरी कॉलेज फीस।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सेवा और मानवता की भावना को सर्वोपरि मानने वाले रोटरी क्लब मंडला मैकल ने एक बार फिर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। नर सेवा ही नारायण सेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए क्लब के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन संजय तिवारी तथा रोटेरियन अजय खोत ने आर्थिक रूप से कमजोर एक मेधावी छात्रा की कॉलेज फीस जमा कर उसकी उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। क्लब की इस संवेदनशील पहल ने यह संदेश दिया है कि यदि समाज के सक्षम लोग आगे आएं तो आर्थिक अभाव किसी भी प्रतिभा की उड़ान को नहीं रोक सकता।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्रा पलक साहू बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। आर्थिक तंगी के कारण वह कॉलेज की फीस जमा नहीं कर पा रही थी, जिससे उसकी पढ़ाई बीच में रुकने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। छात्रा की इस स्थिति की जानकारी शिक्षक एवं रोटेरियन अखिलेश उपाध्याय ने रोटरी क्लब मंडला मैकल के पदाधिकारियों को दी। छात्रा की परिस्थिति को गंभीरता से लेते हुए क्लब के सेवाभावी सदस्यों संजय तिवारी और अजय खोत ने तत्काल सहयोग का निर्णय लिया और कॉलेज फीस के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराई, जिसे कॉलेज प्रबंधन को सौंपा गया। समय पर मिली इस सहायता से छात्रा की पढ़ाई जारी रह सकेगी और उसके नर्स बनने के सपने को नई उम्मीद मिली है।

रोटरी क्लब मंडला मैकल की इस मानवीय एवं प्रेरणादायी पहल की नगरवासियों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों ने सराहना की है। लोगों का कहना है कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य संस्थाओं व सक्षम लोगों को भी जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता के लिए प्रेरित करते हैं। यह पहल केवल एक छात्रा की फीस भरने तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा के माध्यम से एक परिवार और समाज के उज्ज्वल भविष्य को संवारने की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है।

खूंटानाला पुल पर बढ़े किराए के विरोध में फिर हुआ चक्का जाम

मण्डला। ग्राम पंचायत देवहार अंतर्गत खूंटानाला–सुरंगवानी पुल पर वाहन संचालकों द्वारा मनमाने ढंग से बढ़ाए गए किराए के विरोध में आज ग्रामीणों ने एक बार फिर एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जनआक्रोश के बीच कुछ समय के लिए मार्ग अवरुद्ध रहा और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। ग्रामीणों का कहना है कि परिवहन विभाग द्वारा किराए में कोई आधिकारिक वृद्धि नहीं की गई है, फिर भी कुछ वाहन संचालक अपनी मनमर्जी से अधिक किराया वसूल रहे हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि यदि शासन या परिवहन विभाग आधिकारिक रूप से किराया बढ़ाता है तो वे उसका पालन करेंगे, लेकिन बिना किसी आदेश के अतिरिक्त किराया देना स्वीकार नहीं करेंगे। प्रदर्शन के दौरान टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों तथा वाहन संचालकों से चर्चा कर समझाइश दी। इसके बाद यह आश्वासन दिया गया कि पूर्व से निर्धारित किराया ही लागू रहेगा तथा प्रतिदिन आने-जाने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं को पूर्व की तरह किराए में छूट दी जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर मार्ग खोल दिया। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले ग्राम देवगांव में भी इसी मुद्दे को लेकर चक्का जाम किया गया था, लेकिन वाहन संचालकों द्वारा मनमानी बंद नहीं की गई। इसी कारण जनता को पुनः आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा।

सरदार पटेल कॉलेज ने किया प्रतिभा सम्मान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

बुधवार को सरदार पटेल कॉलेज बड़ी खैरी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक एवं शिक्षकों की भी उपस्थिति रही। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, सरदार पटेल विश्व विद्यालय बालाघाट के प्रो-चांसलर विरेश्वर सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, वरिष्ठ भाजपा नेता विनय मिश्रा, रानी दुर्गावती महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. टी.एस. मिश्रा, प्रोफेसर दिलीप दुबे तथा पत्रकार परिषद अध्यक्ष नीरज अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आशीष ज्योतिषी ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए प्रतिभा सम्मान समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पूंजी उसकी प्रतिभाएं होती हैं। ऐसे विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का पुरस्कार नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। संस्थान का प्रयास है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धियों को उचित मंच मिले और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त हो। समारोह में जिले के घुघरी, बम्हनी, बिछिया, मंडला, नैनपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों एवं गांवों से चयनित उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय अंक अर्जित कर अपने विद्यालय परिवार और जिले का नाम गौरवान्वित किया। सम्मानित विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की गई। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर सभागार में उपस्थित लोगों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सामान्यतः निजी शिक्षण संस्थानों में इस प्रकार के प्रेरणादायी कार्यक्रम कम देखने को मिलते हैं लेकिन सरदार पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करना सराहनीय पहल है। उन्होंने संस्थान के संचालक एवं स्टाफ को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव भी है। वहीं सरदार पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के प्रो-चांसलर विरेश्वर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति के जीवन को नई दिशा और नई पहचान प्रदान करती है। संस्थान का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना नहीं बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी है। प्रोफेसर दिलीप दुबे ने कहा कि ज्ञान ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को जीवन की प्रत्येक चुनौती का सामना करने योग्य बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी।

अभियान | **नशे का जाल घातक, हर व्यक्ति 10 लोगों को जागरूक करे-डीएम।**

युवाओं को नशे से बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

*** नशे से दूरी है जरूरी, अभियान 2.0 का शुभारंभ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी के नेतृत्व में जिले में नशे के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 का शुभारंभ पुलिस लाइन मंडला में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि नशा एक घातक जाल है, जिससे स्वयं को और समाज को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम 10 लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें तथा इसकी शुरुआत अपने घर और परिवार से करें। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए रोको-टोको अभियान को निरंतर जारी रखना होगा, ताकि नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि नशे के खिलाफ जनभागीदारी सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नशे से जुड़े मामलों की सूचना पुलिस को दें और युवा पीढ़ी को इस बुराई से दूर रखने में सक्रिय सहयोग करें। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण में जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के पश्चात पुलिस लाइन से बैगा-बैगी चौराहा तक छात्र-छात्राओं द्वारा जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों एवं नशामुक्त जीवन के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीओपी पीयुष मिश्रा, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ विनोद मरावी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पीयुष पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया।

खबर संक्षेप

समय पर खाना न बन पाने से कर दी पत्नी की पिटाई

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम अर्जुन गांव निवासी एक महिला द्वारा अपने पति के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब अपने घर पर खाना बना रही थी उसी दौरान पति सुरेन्द्र अहिरवार आया और अपनी पत्नी यानि की प्रार्थिया को गंदी गंदी गालिया देते हुये बोला की तू समय पर खाना क्यों नही बनाती है। इस तरह जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी पति द्वारा डंडे से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

नुकीली वस्तु से बार करते हुये किया घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कठौतिया निवासी जितेन्द्र पिता राम कृष्ण कुशवाहा उम्र 26 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस में अपने दोस्त राजेश कुशवाहा के साथ मोटर साईकिल से जा रहा था उसी दौरान रास्ते में विकास कुशवाहा तथा आकाश सोनी मिले और दोनों ने हमारा रास्ता रोकते हुये गंदी गंदी गालियां देते हुये विकास कुशवाहा द्वारा किसी नुकीली वस्तु से प्रार्थी के सीने पर बार करते हुये घायल किये जाने पर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

हिसाब के पैसा मांगे जाने पर पिता पुत्र ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। कोई भी धंधा क्यों न हो यदि उसमें हिसाब किताब व लेन देन समय पर होता है तो हर व्यक्ति को काम करने में खुशी मिलती है। मगर कुछ लोग इस तरह होते है कि काम होने के बाद हिसाब किताब की बात को लेकर विवाद करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम हर्रई में देखने मिली है। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा प्रांत के सोनीपत व हाल ग्राम हर्रई निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैने अपनी खेती हर्रई गांव के राहुल सैन को बटियार में दिया था। राहुल सैन के द्वारा उस खेती में गन्ना एवं गेहू बोया था। जिसका हिसाब करने पर 01 लाख 36 रूपये लेना निकला था। जिसके चलते प्रार्थी द्वारा राहुल के बडे भाई अंकित सैन ने 01 लाख रूपये प्रार्थी को फोन पे के द्वारा वापस कर दिया था तथा गेहू के हिसाब करने के बाद राहुल सैन से 21 हजार रूपये लेना शेष रह गया था। इसी के चलते बीते हुये दिवस प्रार्थी द्वारा जब राहुल सेन से बाकी के पौसा मांगे तो इसी बात को लेकर वह वह गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो राहुल ने अपने पिता देवेन्द्र सेन को फोन करते हुये बुला लिया और दोनो पिता पुत्र ने एक राय होकर प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी पिता पुत्र के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अपने स्वार्थों को पूर्ण करने के लिये पेड़ों को किया जा रहा बदहाल

गाडरवारा। शहर की सड़कों के किनारे और व्यस्ततम माने जाने वाले इलाको में विभिन्न संस्थाओं ने पूर्व वर्षो में जो वृक्ष लगवाये थे वे भले छाया देने की स्थिति में आ गए है, किन्तु प्रशासन की अनदेखी से इन वृक्षो को प्रचार प्रसार का माध्यम बनाने का सिलसिला चल रहा है। शहर की सड़कों के किनारे सीना तान खड़े वृक्षो पर कीलें ठोंककर बड़े पोस्टर, बैनर, प्लेक्स लगाकर वृक्षो को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। हरेभरे वृक्षो का उपयोग विज्ञापन वोर्डो के रूप में करने का विरोध करते हए शहरवासियो का कहना है कि वृक्षो को देवता माना गया है, वृक्ष सजीव होते है, उन पर कीलें, ठोंकना, व्यापारिक स्वार्थ के लिए उनका उपयोग करना उचित नहीं है। वृक्षों पर पोस्टर, बैनर लगाने से शहर का सौंदर्यीकरण जहां प्रभावित होता है, वही बारिश के दिनों में ऑधी, पानी से भी वृक्षो में लगे बड़े बड़े पोस्टर, बैनर दुर्धटनाओं का सबब भी बन सकतें है।

पूर्व में सड़कों के किनारे रोपे गये सैकड़ों पौधे रखरखाव के अभाव में सूखकर हो गये गायब, मात्र ट्री गार्ड बिखर कर बन रहे शोभा की सुपारी...

सिर्फ दिखावा की जगह पेड़ बनाने के उद्देश्य से होना चाहिये पौधरोपण तभी पर्यावरण की सुरक्षा हो सकती है संभव..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार हो रही पर्यावरण के साथ खिलबाड़ तथा पौधा रोपण के नाम पर नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा अपनाई जाने वाली औपचारिकता का परिणाम है कि जहां अब शुद्ध हवा मिलना मुश्किल होने लगा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये चार साल पहले कोरोना काल की दूसरी लहर के दौरान सैकड़ों लोगों की जान सिर्फ आक्सीजन के आभाव में जाने से नही चूक पाई है? इस तरह यदि पर्यावरण के साथ होती रही खिलबाड़ तो निश्चित तौर से हर व्यक्ति को शुद्ध वायु मिलना मुश्किल हो जावेगा। यह बात अलग है कि बीते हुये अप्रैल मई माह में जिस तरह सूरज की तपन ने जो रूप दिखा गया है उसके चलते बनी हुई स्थिति के चलते लोगों को पेड़ लगाने को लेकर जागरूकता देखने मिली है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि पेड़ लगाने के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाने से हम पर्यावरण की रक्षा करने में कभी सफल नही हो पायेगे? अक्सर देखा जाता है कि अनेक आयोजनों के दौरान नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपित करते हुये अखबारों की सुर्खिया बनने से नही चूक पाते है। मगर शायद ही किसी नेता या फिर अधिकारी द्वारा रोपियत किये गये पौधा की वापिस खबर लेने का प्रयास किया गया कि आखिरकार उनके द्वारा रौपा गया पौधा सुरक्षित बचा भी है कि नही..? यदि प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये पांच वर्षो के दौरान जहां हर पंचायत द्वारा वृक्षारोपण के नाम पर पंचायतों में लाखों रूपया शासकीय राशि को खर्च करते हुये पौधा रोपित किये गये थे। मगर उस पौधा रोपण की जांच कराई जावे तो शायद ही किसी पंचायत में मुश्किल से पांच प्रतिशत पौधा सुरक्षित मिल पायेंगे? इसी प्रकार का हाल अन्य शासकीय कार्यालयों से लेकर संस्थाओं का देखने मिलता है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि प्रदेश की सरकार से लेकर शासकीय अधिकारियों द्वारा लगातार पौधा रोपण पर बल देते हुये बारिश का सीजन आने पर इस मुहिम को जोर शोर से चालू किया जाता है। मगर यह मुहिम मात्र रोपित करने तक ही सीमित होने के कारण आज तक प्रकृति हरियाली की चुनरी नही ओड पाई है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये तीन साल पहले जहां नगर में कुछ समाजसेवियों द्वारा शहर की सड़क किनारे लगभग 15 हजार पौधा रोपने की योजना बनाने के लिये एक बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें अनेक समाज सेवी व नेतागण मौजूद रहे थें। वही दूसरी ओर जिला स्तर पर भी संपूर्ण जिले में हजारों पेड़ लगाने की तैयारी की गई थी। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी की जा रही तैयारियों से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि बारिश का सीजन शुरू होते ही निश्चित तौर से जहां तहां नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपण तो किया जावेगा। मगर उस समय भी यह सबाल यह पैदा हो रहा था कि उन पौधों को रोपने के बाद उनको सुरक्षित पेड़ बनाने तक की जिम्मेदारी ली जावेगी कि नही..? मगर उस बैठक के बाद वह पौधे कहा रोपे गये तीन साल से अधिक का समय बीते जाने के बाद आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है...? वही पौधा रोपने के बाद उन्हें नजर अंदाज करने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये दो वर्षो से देखने मिल रहा है कि नगर के रेल्वे स्टेशन से लेकर चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां हजारों की संख्या मे पौधा रोपण करते हुये जहां उन्हें सुन्दर ट्री गार्ड से सजाया तो गया था। मगर उनका उचित रख रखाव नही होने के कारण ट्री गार्डो के अंदर रोपित किये गये पौधा जहां सूख जाने के बाद गायब नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर जिस जगह हरियाते हुये पौधा होना चाहिये थें उनके स्थान पर राजश्री गुटखा के पाऊच या फिर अन्य प्रकार की कचरा दिखाई देने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि कही ऐसा तो नही कि यह ट्री गार्ड इस तरह कचरे की सुरक्षा के लिये स्थापित किये गये हो? इस तरह बीते हुये दो वर्षो से गाडरवारा से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर किये गये पौधा रोपण की सच्चाई का हाल इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां रख रखाव व पानी नही मिल पाने के कारण ट्री गार्डो के अंदर लगे हुये सैकड़ो पौधा सूख चुके है और यह ट्री गार्ड जहां सड़को पर बिखर जाने के कारण यातायात व्यवस्था में खतरा बनने से नही चूक रहे है? इस तरह से मात्र दिखावे के लिये किये जाने वाला पौधा रोपण से पर्यावरण की सुरक्षा हो पाना जहां असंभव ही माना जा सकता है? यदि पर्यावरण की रक्षा को लेकर पौधा रोपण की मुहिम शुरू करनी है तो हर नेता से लेकर अधिकारी व आम जनता को पौधा रोपित करने से अधिक महत्वपूर्ण बात उसकी सुरक्षा की होती है, जब तक रोपित किये गये पौधा की सुरक्षा नही होगी तो यह मात्र रोपित तक ही सीमित होकर रहने से नही चूक पाता है। क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा रोपित किया गया पौधा नही कर सकता है उसे पेड़ की जरूरत होती है और रोपा गया पौधा पेड़ बनकर तैयार हो जावेगा तभी वह हमे आक्सीजन या फिर फल देने में सक्षम होगा। इस समय जिस प्रकार से प्रशासन के अधिकारियों से लेकर समाजसेवियों द्वारा आने वाले बारिश के दिनों में बड़े स्तर से पौधा रोपण की तैयारी की जा रही है बहुत अच्छी बात है। मगर नये पौधा रोपने के जगह यदि हमारे द्वारा जहां तहां सूखते हुये पेड़ो की सुरक्षा करने में सफलता पा ली जावे तो यह एक अच्छी पहल मानी जा सकती है।

ग्राम पंचायत धमेटा में विधायक पटैल द्वारा अनेक विकास कार्यो का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। अपने क्षेत्र को विकास की गति प्रदान करते हुये बीते हुये दिवस तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धमेटा में विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने 14 लाख 35 हजार रुपये की लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजन-अर्चन कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जनकल्याण और अधोसंरचना विकास के कार्य निरंतर गति से किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। क्षेत्रवासियों की प्रत्येक जायज मांग को शासन तक पहुंचाना और उसका समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। विधायक पटैल ने कहा कि वे विधायक बाद में हैं, सबसे पहले इस क्षेत्र के सेवक हैं और जनता की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। विधायक पटेल ने ग्रामीणों से अपील की कि वे नव निर्मित विकास कार्यों का संरक्षण करें, उनका सदुपयोग करें तथा अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, राव वीरेंद्र सिंह, सरदार सिंह पटेल, दीवान सिंह टिकरहा, रामेश्वर पटेल, अरविंद बड़कुर, सीमांत राजपूत, अखिलेश जयवार, केहर सिंह, अनुरुद्ध सिंह, ओंकार टिकरहा, रामनिवास कौरव, दामोदर दीक्षित, नन्हे लाल कौरव, दिनेश श्रीवास्तव, लखन कौरव के आलवा ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती कविता कौरव तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चलाई गई जल संवंर्धन पर खवाल खडे करते हुये दिखाई दे रहे गांवों में स्थित पांरपारिक जल स्त्रोतों की दुर्दशा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इसे मॉ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गॉवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गॉवों में भी नल जल योजना के तहत बनीं पानी की टंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है..? लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बावाड़ियो की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है, जिनके जरिए वर्षो पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्त्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी का लगभग ढाई एकड़ भूमि का मालिक माने जाने वाले विशाल तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलैया के रूप में दिखाई देने लगा है। वही दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षो पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रेखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है जिसके चलते इस प्रकार से वर्षो पुराने पूज्यनीय माने जाने वाले यह परम्परागत स्त्रोत अपने असत्तिव को बचाने के लिये खुदे ही जूझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाएॅ पारंपारिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरें में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्त्रोतो की तरफ ध्यान न दिया जा रहा है। वही दूसरी देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुये गांव गांव सरोबर से लेकर तालाब व डेमों का निर्माण कराते हुये रूपया खर्च किये जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा बनाये जाने वाले तालाबों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी कि सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये गांव गांव बनाये जा रहे इन तालाबों में एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बडी बात होने से नही चूक पायेगी..? इस तरह नये तालाबों के निर्माण को लेकर सरकार द्वारा जहां करोडो रूपया खर्च किये जा रहे है और दूसरी ओर पुराने जल स्त्रोतों की अनदेखी निश्चित तौर से सरकार के प्रयास मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा ओर कुछ साबित होने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर इन दिनों सरकार द्वारा 5 जून से 16 जून तक पुराने जल स्त्रोतों को लेकर विशेष अभियान जरूर छेड़ा गया है। मगर वह औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने के आलवा कुछ साबित नही हो रहा है? सही मायने में देखा जावे तो इन पुराने जल स्त्रोतो की सफाई को लेकर अधिकारियों द्वारा मात्र औपचारिकता निभाते हुये योजना सिर्फ फोटो तक ही सिमित नजर आने से नही चूक पा रही है? यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्त्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस प्रकार से पारंपारिक जल स्त्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्त्रोत की अनदेखी कर रहे है, वही लोगों द्वारा अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है, इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षो पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है, यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्त्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है? यदि शासन के रिकार्ड का अवलोकन किया जावे तो क्षेत्र का शायद ही ऐसा कोई गांव शेष होगा जहां पर राजस्व रिकार्ड में तालाब या कुंआ दर्ज दिखाई न दे रहा हो..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार राजस्व भूमि पर बने हुये यह कुंआ व तालाब मौके पर नजर ही नही आ रहे है जहां तालाबों में प्रभावशालियों की फसले लह लहा रही है तो कुंओं के ऊपर निर्माण कार्य हो चुके है जिन पर बहुमंजिला आवास तने हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है।

बच्चों का पोषण आहार खाकर आखिर कौन हो रहा है मोटा, अभिभावकों को पता ही नहीं क्या मिलता है मासूमों को...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा बच्चों का अच्छा भरण पोषण हो सके इसके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, मगर इसके बाद समीपस्थ जनपद पंचायत चीचली सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवो में देखा जावे तो वह लगातार पिछड़ रहें है। क्षेत्र मे संचालित अधिकांश सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के चलते इतनी फजीहत है कि शासन की मंशा कही से किसी कीमत मे पूरी होती नही दिखती है..? भ्रष्टाचार ने सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को ऐसा पलीता लगाया जा रहा है कि योजनाये जहां दम तोड रही है जिसके चलते अनेक हितग्राही योजनाओं का लाभ पाने वाले भटकते हुए देखे जा रह है..? क्षेत्रवासियों का जनचर्चाओं में आरोप है कि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की उन तक तब जानकारी बहुचती है जब या तो वह पूरी हो चुकती है या फिर उनमें आई राशि खत्म हो जाती है? ऐसी एक नही अनेक योजनाएं है जिनका कागजों से हटकर हकीकत में आम लोगों लाभ मिलना चाहिए मगर नही मिल पा रहा है, जिसमें अनेक योजनाएं तो महिला बाल विकास के हबाले से जो भ्रष्टाचार व अनियामितताओं का शिकार होते हुए देखी जा रही है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पोषण आहार योजना की जो दुर्दशा होते हुए देखी जा रही है जिसे देखकर शहर में ही सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों मे इस योजना का क्या हाल होगा..? हरिभूमि ने जब क्षेत्र के कुछ ग्रामीण क्षेत्र के पोषण आहार केन्द्रों और कुछेक आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण करते हुए इसकी सच्चाई का पता किया गया तो अनेक केन्द्रो में पाया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में चल रही गफलत बाजी के चलते वह योजनाएं जहां असफल साबित हो रही है, वही दूसरी ओर बच्चों का पोषण होने की जगह व अपोषित होते चले जा रहे है? जबकि शासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रो में अध्यन करने वाले बच्चों के नियम से अलग अलग दिन के हिसाब से खाना मिलना चाहिए, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन आंगनबाड़ियों में अध्ययन करने वाले अनेक बच्चों के अभिभावकों को पता नही है कि आज उनके बच्चों को अलग से कुछ मिला है कि नही..। क्योंकि बच्चों द्वारा घर जाकर वही बताया जाता है कि जो रोज मिल रहा है वही आज मिला है। इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र के अनेक आंगनवाड़ी केन्द्रों मे काम करने वाली कार्यकर्ताओं ने दबे सुर मे अपना नाम उजागर न करने की बात पर अपनी परेशानियां बताई जो गंभीर है? इनके विभागीय अधिकारियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है और मांग पूरी न होने पर इन्हें डराया धमकाया जाता है और तो और इन्हे नौकरी से निकाल देने का भय भी दिखाया जाता है, इसके चलते कुछ स्थानों की स्थिति तो यह बने है कि केन्द्रो में जितने बच्चे उपस्थित नही रहते है, उनका भी भोजन बनाने का रिकार्ड दर्ज कर काफी हद तक गोलमान किया जाने की जानकारियों मिलना आम बात होती चली जा रही है? इतना ही नही यदि कोई आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता व इनको भोजन देने वाले समूह द्वारा इस पर अपत्ति ली जाती है तो अधिकारियों द्वारा उन्हे धमकी देकर मुंह बंद कर दिया जाता है? वही कुछ अधिकारियों द्वारा तो शासन के धन पर अपना कब्जा करे हुए शासन की योजनाओं को खुलेआम पलीता लगाया जा रहा है? इस प्रकार से यदि गौर किया जावे तो महिला विकास विभाग के लिए पोषण आहर योजना धन पान की खान बनी हुई है? यदि इस बात की सच्चाई को जानने के लिए कोई बड़ा निष्ठावान अधिकारी क्षेत्र में संचालित होने बाली आंगनवाड़ी केन्द्रो का निरीक्षण करते हुए बच्चों से इसकी सच्चाई स्वयं पहुंचकर पूछे तो महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों सच्चाई पूर्णरूप से सामने ही नही बल्कि बच्चों के पोषण आहर को अपने कमाई की खान समझने वाले अधिकारियों की सच्चाई भी सामने आ सकती है।

ट्रेक्टर ट्रालियों में ओवर लोडिंग हो रहे मिट्टी परिहवन से सड़कों पर गिरने वाली मिट्टी बन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्व ट्रेक्टरों का परि संचलन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहा है? यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर अनेक ट्रेक्टर कृषि कार्य के नाम पर रजि. होने के बाद भी अन्य कार्यो में लगे हुए है? मगर प्रशासन का ठुल मुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ठुलाई करते हुए नगर में प्रवेश करते है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है? इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भ कर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? वही अक्सर नगर की सड़कों पर इन ट्रेक्टरों का संचालन होते हुए उस समय देखा जाता है जब बच्चों के स्कूल छूटने तथा लगने का समय होता है, स समय नगर की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रेक्टरों की गति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि शायद मासूमो का अब भगवान ही मालिक है? यदि गौर किया जावे तो इन ट्रेक्टरों में ढोये जाने वाली मिट्टी को ट्रेक्टर मालिको द्वारा इस प्रकार से भरते हुए नगर की सड़को पर दौड़ाया जाता है जिसके चलते जब वह मिट्टी सड़को पर गिरने के बाद अन्य छोटे वाहन चालको के लिए खतरा की घंटी बताते हुए जान पड़ती है, क्योंकि सड़को पर गिरने वाली इस मिट्टी के चलते जहां बाइक सबारों को फिसलने का भय बना रहता है तथा इस मिट्टी के धूल में परिवर्तित होने के बाद सड़क को गंदा तो करती ही है साथ ही साथ जब इस मिट्टी से बनी हुई धूल के गुब्बरे बनकर उड़ते है तो लोगों का सांस लेना भी दूभिर हो जाता है? जिसके चलते जहां नगर के लोग इन ट्रेक्टर चालको की मनमानी से परेशान देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा भी जान पड़ रहे है।

In The Court Of I Additional District and Session Judge Gadarwara, District Narsinghpur
Presiding Offcer :श्री राजेश कुमार तिवारी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC/000057/2026)
श्रीमती माया शर्मा................वादी
Vs
जिला पेंशन अधिकारी नर्मदापुरम म.प्र.....................प्रतिवादी
प्रे.स.न. 166/2026
Process Id-/2026
पेशी दिनांक 08/08/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती माया शर्मा वगैरह ने आपके विरूद्व मिसलेनियस ज्यूडीशियल केसेस क्रमांक 57/2026 श्रीमती माया शर्मा वगैरह विरूद्व जिला पेंशन अधिकारी नर्मदापुरम वगैरह द्वारा एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 14 दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत इस आशय का पेश किया है कि श्रीमती माया शर्मा श्रीमती माया शर्मा पत्नि ओमप्रकाश शर्मा आयु 46 वर्ष पुत्री चरणलाल बुधौलिया निवासी गोल्डन सिटी सोयाबीन प्लांट के पास तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर म.प्र. को दुर्गेश बुधौलिया पिता स्व. श्री चरनलाल बुधौलिया आयु 35 वर्ष निवासी इंद्रा कॉलोनी आजाद वार्ड तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर म.प्र. का संरक्षक को नियुक्त किया जाना है, क्योंकि दुर्गेश के पिता स्व. श्री चरनलाल बुधौलिया की वन विभाग नर्मदापुरम म. प्र. से सेवानिवृत एवं वर्ष 2003 में मृत्यु उपरांत पेंशन पत्नि श्रीमति ज्ञानवती को प्राप्त होती थी किन्तु श्रीमती ज्ञानवती का स्वर्गवास दिनांक 22-02-2025 को होने के कारण एवं दुर्गेश का नाम ज्ञानवती के साथ आश्रित के रूप में दर्ज होने से पेंशन दुर्गेश को प्राप्त होना था लेकिन दुर्गेश विकलांग व मंदबुद्वी एवं स्पष्ट भाषा का उच्चरण नहीं कर पाता है। अतः सर्वसाधारण को इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन उपरांत पेशी दिनांक:- 08/08/2026 के पूर्व वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस आवेदन से संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटरा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 14 July 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
कृपया ध्यान दें:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा। **न्यायाधीश**
सील
राजेश कुमार तिवारी
प्रथम जिला न्यायाधीश गाडरवारा
जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

इश्तहार

मेरी पक्षकार श्रीमति बेटीबाई पत्नि श्री पुरूषोत्तम कौरव निवासी रहती तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर की ओर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर सर्वसाधारण को यह सूचना प्रकाशित करता हूं कि मेरी पक्षकार ने श्रीमति सत्यवती शर्मा पत्नि स्व. श्री रेवाराम शर्मा निवासी रहली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर से ग्राम रहती पटवारी हल्का नयागांव तहसील गाडरवारा स्थित सर्वेक्षण क्रमांक 124 (B) भूखंड संख्या 90(B) जो 124 वर्ग मीटर आवासीय प्रयोजन की भूमि पर बने पक्के 2VHK मकान को क्रय करने का सौदा किया गया है जिसकी रजिस्ट्री उप पंजीयक कार्यालय गाडरवारा में शीघ्र होना भी तय किया है। अगर सर्वसाधारण से किसी भी शासकीय अशासकीय अथवा वित्तीय संस्था इकाई या किसी व्यक्ति विशेष का कोई दावा आपत्ति ऐतराज हो या उक्त संपत्ति को लेकर कोई हक हकूब या अधिकार हो तो वह इस इश्तहार सूचना प्रकाशन के उपरांत 15 दिवस तक मेरे कार्यालय अथवा मेरे पक्षकार के पते पर स्वयं अथवा अपने नियोक्ता प्रतिनिधि अभिकर्ता व अधिवक्ता के माध्यम से दावा अपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद म्याद कोई दावा आपत्ति विधि के अनुसरण में स्वीकार नही की जावेगी। बल्कि आपत्ति के कारण आने वाल सम्पूर्ण खर्चो की जबावदारी आपत्तिकर्ता की होगी।
लिहाजा सर्वसाधारण जानकारी जाने और अमल करे।
कमलेश कुमार लोधी (अधिवक्ता)
सिविल कोर्ट, गाडरवारा, जिला-नरसिंहपुर
मोबाईल नं. - 9179141271

कार्यालय नगर पालिका परिषद गाडरवारा जिला - नरसिंहपुर (म.प्र.)
क्र. CMO/Q राजस्व शाखा/न.पा.प./2026
गाडरवारा, दिनांक 14.07.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निम्नांकित आवेदनों पर नामातंरण कार्यवाही की जाना है। इस हेतु आज दिनांक 14/07/2026 से 15 दिवस के अंदर आपत्तियों का आव्हान किया जाता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों एवं प्रमाण रहित अपत्तियाँ मान्य नही की जावेगी।
प्र.क्र.- दुकान नं. 04 एवं दुकान नं. 05 इन्द्रा काम्पलेक्स
वार्ड का नाम- जवाहर वार्ड
मकान/प्लाट - दुकान
सम्पति हस्ता. का माध्यम- मृत्यु प्रमाण पत्र हस्तांतरण कर्ता का नाम- स्व. बाबू लाल रूसिया
हस्तातरिणी का नाम- शांति बाई W/O स्व. बाबूलाल रूसिया, हरिकिशन, दशरथ, टंटूलाल, कैलाश, देवेन्द्र, आजाद, सोनाबाई, ज्योति पिस. स्व. बाबूलाल रूसिया
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गाडरवारा

ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती, अटल ज्योति योजना पर खड़े हो रही सवाल?

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को 24 घंटे बिजली उलब्ध कराने हेतु बड़ी ही जोर शोर से अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था, मगर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन लगातार कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग परेशन होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार की अटल ज्योति योजना पर लोगों द्वारा सबाल खड़े करते हुए इसे अटक ज्योति योजना का नाम दिये जाने लगा है? इस संबंध में बताया जाता है कि सांईखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां आम लोग परेशान हो रहे है वही दूसरी ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान लोगों की नींद हराम होती चली जा रही है। वही लोगों का कहना है कि यदि आने वाले और भीषण गर्मी के दिनों में यदि बिजली कटौती का यही आलम बना रहा तो लोगों का जीना मुश्किल हो जावेगा? जानकरी के अनुसार दिन और रात में की जा रही बिजली कटौती के कारण बच्चों बुर्जुगों के साथ महिलाओं की नीद उड़ गई है, इस संबंध में जब विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय एवं पावर हाउस में बिजली कटौती को लेकर संपर्क किया जाता है तो वहा से एक ही जबाब मिलता है कि लाईन गाडरवारा से बिजली बंद होने के कारण हम कुछ नही बता सकते है या फिर कह दिया जाता है कि मेंनेटेन्स चल रहा है इस लिए बिजली बंद है? इस प्रकार से सुधार कार्य के नाम पर आये दिन कई घंटों तक बिजली बंद की जा रही है जिसके चलते जहां ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तो प्रभावित होते हुए देखा जाता है, वही किसान भी अपने खेतों में लगाई गई गन्ना सहित अन्य फसलों में पानी देने के लिए परेशान होते हुए देखे जा रहे है।

खबर संक्षेप

दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान की शुरुआत, घर-घर पहुंचकर बच्चों की होगी स्वास्थ्य जांच

डिंडौरी। जिले में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान के उद्देश्य से दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का संचालन 14 जुलाई से शुरू हो गया है। यह अभियान 31 अगस्त 2026 तक चलेगा। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत जिले के लगभग 86 हजार शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें बच्चों में डायरिया, निमोनिया, एनीमिया, कुपोषण सहित अन्य गंभीर बीमारियों की पहचान कर आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। आशा कार्यकर्ता, एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की संयुक्त टीमें घर-घर पहुंचकर बच्चों की जांच करेंगी।स्वास्थ्य विभाग द्वारा पांच वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे के परिवार को डायरिया नियंत्रण के लिए दो ओआरएस पैकेट और 14 जिंक टेबलेट उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही अभिभावकों को इनके उपयोग एवं बच्चों की देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी जाएगी।अभियान के अंतर्गत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आयु के अनुसार विटामिन-ए की खुराक दी जाएगी। वहीं 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों के परिवारों को आईएफए सिरप उपलब्ध कराकर उसके उपयोग के संबंध में परामर्श दिया जाएगा। स्वास्थ्य दलों द्वारा गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों की पहचान के लिए डीएसएस टूल का उपयोग किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार उपचार एवं रेफरल की व्यवस्था की जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राजकुमार डोंगरे ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में होने वाली गंभीर बीमारियों की शुरुआती स्तर पर पहचान कर उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराना है, जिससे बाल मृत्यु दर में कमी लाई जा सके और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सके।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय ने जिलेवासियों से अपील की है कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों का सहयोग करें और अपने बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता से जिले के प्रत्येक बच्चे को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है।

खेत में जुताई के दौरान 7 फीट गहरे गड्ढे में पलटा ट्रैक्टर, चालक की दबकर दर्दनाक मौत

अनूपपुर। जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोड़ीपानी में बुधवार शाम खेत की जुताई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में जुताई कर रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर करीब 7 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरा, जिससे ट्रैक्टर चालक उसके नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, ग्राम डोड़ीपानी निवासी अमन कुमार कोल गांव के राम बिहारी राठौर के खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी दौरान खेत में ट्रैक्टर मोड़ते समय संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर खेत के किनारे बने लगभग 7 फीट गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी गोकुलानंद पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की सहायता से चालक को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक दुर्घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

65 लाख के उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण में गुणवत्ता पर सवाल, निरीक्षण में तकनीकी खामियां उजागर

बीम झुकी, कॉलम में दरारों की शिकायत , ग्रामीणों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई

शहपुरा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) मध्य प्रदेश के तहत 15वें वित्त आयोग योजना से ग्राम करौंदी में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए दो निरीक्षणों में भी कई तकनीकी कमियां दर्ज की गई हैं।ग्रामीणों के अनुसार निर्माणाधीन भवन के कुछ कॉलमों में दरारें दिखाई दे रही हैं, जबकि कई स्थानों पर बीम झुकी हुई नजर आ रही हैं। इसके अलावा कंक्रीट में हनीकॉम्ब जैसी स्थिति भी देखी गई, जिसे निर्माण गुणवत्ता में कमी का संकेत माना जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण में निम्न गुणवत्ता की ईंट, रेत और सीमेंट का उपयोग किया गया है तथा कई स्थानों पर निर्धारित मात्रा में सरिया नहीं लगाया गया, जिससे भवन की मजबूती प्रभावित होने की आशंका है।

स्वास्थ्य विभाग के सब इंजीनियर द्वारा 29 मई 2026 को किए गए निरीक्षण में निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाए जाने सहित सीसी कार्य की गुणवत्ता और अन्य तकनीकी कमियां चिन्हित की गई थीं। निरीक्षण के दौरान ठेकेदार को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए थे।इसके बाद 14 जुलाई 2026 को दोबारा किए गए निरीक्षण में विभाग ने पाया कि पूर्व में बताई गई कमियों का अपेक्षित सुधार नहीं किया गया। निरीक्षण के बाद तकनीकी प्रतिवेदन तैयार कर संबंधित कमियों का उल्लेख किया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय निरीक्षण के बावजूद निर्माण कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ ग्रामीणों ने ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से निर्माण कराए जाने का आरोप लगाते हुए पूरे प्रकरण की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।लगातार दो निरीक्षणों में तकनीकी कमियां सामने आने के बाद अब इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की आगामी कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

उपेक्षा की मार झेल रही रानी अवंती बाई की कर्मभूमि रामगढ़

ऐतिहासिक स्मारक की बदहाल तस्वीर, जर्जर प्रतिमा, उजड़ा उद्यान और मूलभूत सुविधाओं का अभाव

अमरपुर। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाली वीरांगना रानी अवंती बाई की कर्मभूमि रामगढ़ आज भी उपेक्षा की मार झेल रही है। डिंडौरी जिले का यह ऐतिहासिक स्थल संरक्षण और विकास के अभाव में अपनी पहचान खोता जा रहा है। वर्षों पहले विकसित किया गया स्मारक परिसर अब बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है।स्मारक परिसर में वर्ष 1989 में सीमेंट-कंक्रीट से रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित की गई थी। विडंबना यह है कि 37 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रतिमा का विधिवत अनावरण नहीं हो सका। समय के साथ प्रतिमा जर्जर हो चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना के सम्मान के अनुरूप नहीं है।

एक समय स्मारक परिसर का उद्यान, हरियाली और फव्वारा पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हुआ करता था। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते थे। लेकिन वर्तमान में उद्यान उजड़ चुका है, फव्वारा गायब है, परिसर में लगी टाइल्स असामाजिक तत्वों द्वारा उखाड़कर क्षतिग्रस्त कर दी गई हैं और शाम होते ही पूरा परिसर अंधेरे में डूब जाता है। ऐसे में यहां आने वाले पर्यटकों को निराशा का सामना करना पड़ता है।हालांकि, डिंडौरी कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर स्थानीय ग्राम पंचायत द्वारा क्षतिग्रस्त मुख्य द्वार की मरम्मत कराई गई है, जिससे परिसर में आवारा पशुओं का प्रवेश काफी हद तक रुक गया है। इसके बावजूद परिसर के समग्र संरक्षण, सौंदर्यीकरण और सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अब तक कोई व्यापक पहल नहीं हो सकी है।

हर वर्ष 16 अगस्त को रानी अवंती बाई की जयंती और 20 मार्च को शहीद दिवस पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समारोहों में विकास और संरक्षण की बातें तो होती हैं, लेकिन आयोजन समाप्त होते ही ऐतिहासिक धरोहरों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता।रामगढ़ के साथ-साथ रानी अवंती बाई से जुड़े शहीद स्थल बालपुर की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इन ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी गौरवशाली विरासत से वंचित हो जाएंगी।आगामी 16 अगस्त को रानी अवंती बाई की जयंती पर स्थानीय समिति द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि रामगढ़ और बालपुर के ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, उद्यान के पुनर्विकास तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का शीघ्र विस्तार कराया जाए, ताकि वीरांगना रानी अवंती बाई की स्मृतियों को उनके गौरव के अनुरूप संरक्षित किया जा सके।

डिंडोरी नगर के विकास के लिए 5 करोड़ की मांग सीवर लाइन निर्माण की उच्चस्तरीय जांच की उठी मांग

डिंडोरी।

नगर परिषद डिंडोरी ने जिले के प्रभारी मंत्री के नगर आगमन के दौरान शहर के समग्र विकास के लिए 5 करोड़ रुपये की विशेष वित्तीय सहायता की मांग करते हुए एक मांग-पत्र सौंपा। इसके साथ ही निर्माणाधीन सीवर लाइन परियोजना में कथित तकनीकी अनियमितताओं एवं नागरिकों को हो रही परेशानियों को लेकर विस्तृत शिकायती पत्र भी सौंपा गया।नगर परिषद की ओर से सौंपे गए मांग-पत्र में कहा गया कि जिला मुख्यालय होने के बावजूद डिंडोरी में शहरी अधोसंरचना के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है। परिषद की सीमित वित्तीय क्षमता को देखते हुए मुख्य मार्गों के उन्नयन, आधुनिक जल निकासी व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट विस्तार तथा वार्डों में मूलभूत नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष मद से 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

शिकायती पत्र में सीवर लाइन निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया गया कि निर्माण एजेंसी द्वारा तकनीकी मानकों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा है। कार्य की धीमी गति, अव्यवस्थित खुदाई तथा खुदाई के बाद सड़कों का समय पर पुनर्स्थापन नहीं होने से शहरवासियों को धूल, कीचड़ और यातायात बाधित होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।नगर परिषद एवं जनप्रतिनिधियों ने परियोजना की स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की मांग की।प्रभारी मंत्री ने दोनों विषयों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नगर परिषद को आश्वस्त किया कि 5 करोड़ रुपये की विशेष वित्तीय सहायता के प्रस्ताव पर शासन स्तर पर सकारात्मक पहल की जाएगी। साथ ही सीवर लाइन निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराकर गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का भरोसा भी दिया।

सीसी सड़क जेसीबी से खुदवाने का आरोप, ग्रामीण ने कलेक्टर से की शिकायत

अमरपुर।

जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बटिया में सीसी सड़क की खुदाई को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम रहंगी निवासी मान सिंह राठौर (36), पिता भोला सिंह ने ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव पर सीसी सड़क को जेसीबी मशीन से खुदवाने तथा शिकायत करने पर धमकाने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर के नाम शिकायत आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।शिकायत में मान सिंह ने बताया कि उनके घर के सामने बनी सीसी सड़क को ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव द्वारा जेसीबी मशीन से खुदवा दिया गया। उनका आरोप है कि सड़क की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के लिए उन्होंने कई बार पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने अपने स्तर पर सड़क का निर्माण कराया, जिसमें पंचायत की ओर से किसी प्रकार का सहयोग नहीं मिला।आवेदक का यह भी आरोप है कि उन्होंने समस्या की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद सरपंच और सचिव उनके घर पहुंचे तथा शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि शिकायत वापस नहीं लेने पर जॉब कार्ड खराब करने और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिलने देने की धमकी दी गई।ग्रामीण ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग कलेक्टर से की है। फिलहाल शिकायत की जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सांदीपनी विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण ग्रामीण विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं

डिंडौरी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बुधवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मध्यप्रदेश शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री तथा डिंडौरी जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने विकासखंड डिंडौरी के सांदीपनी विद्यालय नरिया में आयोजित समारोह में जिले के पांच नवनिर्मित सांदीपनी विद्यालय भवनों का लोकार्पण किया।इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी शहरी क्षेत्रों जैसी आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। सांदीपनी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेल मैदान सहित अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सकेगा।समारोह में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू ब्योहार, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति प्रकाश धुर्वे, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ किया गया। इसके बाद मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह की शुरुआत हुई। इस दौरान नरिया, धनुवासागर, चांदरानी, खुड़िया एवं राई स्थित सांदीपनी विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया गया।

प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि शिक्षा के साथ सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, लाड़ली बहना योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि जिले में लगभग डेढ़ लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वनग्रामों के वनाधिकार पत्रों के निराकरण के लिए 1 जुलाई से 30 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही एचपीवी टीकाकरण अभियान में डिंडौरी जिले के प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की जानकारी भी दी। डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से डिंडौरी एवं समनापुर विकासखंड में सांदीपनी विद्यालय स्थापित किए गए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बस सेवा उपलब्ध कराने की बात कही। साथ ही जिले में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान की सराहना करते हुए समाज से नशामुक्ति का आह्वान किया।शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार हुआ है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय भवन विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराएंगे।

तहसील कार्यालय शहपुरा में साप्ताहिक राजस्व समीक्षा बैठक आयोजित

शहपुरा। तहसील कार्यालय शहपुरा में 8 जुलाई 2026 को साप्ताहिक राजस्व समीक्षा बैठक आयोजित की गई। एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के निर्देशन में आयोजित बैठक में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में एसडीएम वर्मा ने भू-अर्जन प्रकरणों, फार्मर रजिस्ट्री पंजीयन, आधार-खसरा लिंकिंग, भू-राजस्व संग्रहण तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मानसून के दौरान संभावित अतिवृष्टि से होने वाली क्षति को देखते हुए एसडीएम ने राजस्व कर्मचारियों को मकान क्षति, सर्पदंश, आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली जनहानि एवं पशुहानि से संबंधित प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।बैठक में राजस्व वसूली, सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी विस्तृत समीक्षा की गई। एसडीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को राजस्व से जुड़े आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर तहसीलदार आरपी मार्को, नायब तहसीलदार टीएल धुर्वे, नायब तहसीलदार बीएस धुर्वे सहित समस्त राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 16 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

सड़कों पर फैल रही बबूल की झाड़ियां, शीघ्र हटाने की जरूरत

तेंदूखेड़ा। इन दिनों डोमी छत्तरपुर सड़क मार्ग पर सड़क किनारे लगे बबूल के वृक्षों की झाड़ियां सड़क मार्ग तक लटक आई हैं।जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं। विशेष रूप से सड़क के मोड़ पर झाड़ियां इतनी फैल गई हैं कि सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि झाड़ियों की बजह से पहले भी कई छोटी बड़ी सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बरसात के मौसम में झाड़ियां और अधिक फैल जाने से दृश्यता और भी कम हो गई है जिससे दोपहिया वाहन चालकों एवं पैदल राहगीरों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए सड़क किनारे उगी बबूल की झाड़ियों को शीघ्र हटाया जाए। ताकि मार्ग पर आवागमन सुरक्षित हो सके और भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

किसानों की 100% मूंग खरीदी की जाए, विधायक महेन्द्र नागेश ने सीएम को लिखा पत्र

गोटेगांव। गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश के किसानों को मूंग उपार्जन में आ रही समस्याओं को लेकर विधायक महेन्द्र नागेश ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर 25 प्रतिशत खरीदी सीमा समाप्त करने की मांग की है। 13 जुलाई 2026 को भेजे गए पत्र में विधायक ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था के कारण अधिकांश किसान अपनी पूरी उपज समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पा रहे हैं। शेष उपज उन्हें खुले बाजार में कम कीमत पर बेचनी पड़ रही है, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि प्रदेश के सभी पात्र किसानों की 100 प्रतिशत मूंग उपार्जन व्यवस्था तत्काल लागू की जाए, ताकि प्रत्येक किसान अपनी संपूर्ण उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच सके।विधायक ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री किसानों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेंगे।

20 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन ट्रैक्टर मार्च निकालकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। बुधवार को भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसानों द्वारा विशाल ट्रैक्टर मार्च निकालकर बीस सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। वही कांग्रेस द्वारा भी किसानों का भरपूर सहयोग करते हुए विरोध प्रदर्शन में सक्रिय नजर आई। कृषि उपज मंडी परिसर में भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसानों ने एकजुट होकर अपनी बीस सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिले भर से पहुंचे किसानों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक तंत्र का ध्यान आकर्षित करते हुए ट्रैक्टर मार्च निकालते हुए नारेबाजी की गई। ज्ञापन के दौरान सरकार किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की बात कही गई। जिला कृषि प्रधान सरकार प्रशासन को किसान में निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए।

किसानों को दिलाया जाए पूरा भुगतान

ज्ञापन में बताया गया कि जंगली सुअरों और आवारा मवेशियों द्वारा किसानों फसलों को पहुंचाई जा रही क्षति का मुआवजा देने की मांग उठाई। साथ ही मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना और सीएम पंप योजना को पुनः शुरू करने की मांग की गई जिससे किसानों को सिचाई के लिए शंसाधन मिल सके। इसके अतिरिक्त जिले में सहकारी शुगर मिल की स्थापना के साथ-साथ महाकौशल शुगर मिल और आरआर एग्रो द्वारा किसानों को किए जाने वाले बकाया भुगतान को ब्याज सहित दिलाने की प्रभावी पहल की मांग रखी गई। सरकार किसान हित में निर्णय लेते हुए जिले के किसानों का भुगतान जिले की शुगर मिलों से शीघ्र कराया जाए। किसान यूनियन ने राजस्व विभाग में लंबित नामांतरण प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण पर बल दिया। इसके साथ ही, जिले की गोचर भूमि और तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की गई। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विषयों पर चिंता जताते हुए निजी विद्यालयों द्वारा ली जाने वाली मनमानी फीस पर रोक लगाने और स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच सुनिश्चित करने का आग्रह भी प्रशासन से किया गया।

एमएसपी और कृषि सुविधाओं की मांग

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सरकार को किसानों के हित में कार्य करते हुए किसान हित में योजनाओं का संचालन करना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने फसलों के लाभकारी मूल्य को अपनी मुख्य प्राथमिकता बताया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित की जाए और एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी दी जाए। किसानों को खेती के लिए आवश्यक उर्वरकों यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता तथा बिजली की नियमित आपूर्ति और सिंचाई संसाधनों के प्रभावी विस्तार पर जोर देते हुए मांग रखी। ज्ञापन में बताया गया है कि बुबाई के सीजन में किसानों को खाद्य बीज का संकट गहराया हुआ है। वही बाजार में विक रहे अमानक बीजों के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है जिस पर ठोस कार्रवाई की जावे।

ट्रैक्टर मार्च के माध्यम से किया विरोध

कृषि उपज मंडी में एकत्र हुए किसानों ने एकत्रीकरण के बाद धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया देते हुए नारेबाजी की गई। किसानों के समर्थन में उतरी कांग्रेस द्वारा भी सरकार के विरोध में बयानबाजी की गई। उसके पश्चात भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में एक ट्रैक्टर मार्च निकाला गया, जो मंडी परिसर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गांधी चौक पर समाप्त हुआ। मार्च के दौरान किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। किसान नेताओं विमलेश पटेल और देवेंद्र पाठक ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर समय रहते उचित कार्यवाही नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। ट्रैक्टर मार्च के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

पुण्य स्मृति एवं स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कृषि रत्न स्वर्गीय श्याम से सुन्दर नारायण जी मुशरान की स्मृति एवं पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान के मार्गदर्शन में स्थापित उत्कृष्ट उच्च शिक्षण संस्थान एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर के 28 वें स्थापना दिवस समारोह पर विविध कार्यक्रम आयोजित होगे। स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 16 जुलाई 2026 दिन गुरुवार को पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर संस्थापक माधवराव सप्रे संग्रहालय भोपाल के मुख्य आतिथ्य, कैलाश सोनी पूर्व सांसद राज्यसभा की अध्यक्षता, पं. मैथिली शरण तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी के विशिष्ट आतिथ्य एवं चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी तथा डॉ अशोक कुमार गर्ग, प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज, नरसिंहपुर की उपस्थिति में किया जायेगा। कार्यक्रम का आरंभ प्रातः 11 बजे मुशरान पार्क स्थित श्याम सुन्दर नारायण मुशरान जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम से होगा। दोप. 12 बजे से एम.आई.एम.टी. परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में एम.आई. एम.टी. लॉ कॉलेज में विधिक सहायता केन्द्र एवं नवीनीकृत मूट कोर्ट हॉल का शुभारंभ किया जावेगा। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सैन्य, कृषि, साहित्य, चिकित्सा, विधि, अभियांत्रिकी, शिक्षा, खेल, व्यवसाय, समाज सेवा, पत्रकारिता के क्षेत्र में जिले के ख्यातिलब्ध व्यक्तित्वों का सम्मान तथा रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। महाविद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन ने समस्त कार्यक्रमों में गणमान्यजन, अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति की अपील की है।

महिला ने किया जहरीली वस्तु का सेवन

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज की सिंहपुर चौकी अंतर्गत ग्राम पिपरिया में महिला द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि निशा लोधी द्वारा अज्ञात कारणों से अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिससे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

10 वर्षीय बालक को लगा विद्युत करंट

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी अंतर्गत 10 वर्षीय बालक शिवम महोविया को घर पर खेलते समय विद्युत करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद बालक को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार किया जा रहा है।

युवक को जहरीले कीड़े ने काटा

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र सुआतला के ग्राम केरपानी में दीसी पटेल को अपने ही घर पर जहरीले कीड़े ने काट लिया। जिससे युवक की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहाँ उनका उपचार चल रहा है।

सर्विस रोड न बनने से घरों में घुस रहा पानी

नरसिंहपुर। विगत दिवस ग्राम पंचायत पाठा पिपरिया के ग्रामीणों ने फोरलेन निर्माण कंपनी की लापरवाही को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। सरपंच सरिता बाई के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बताया कि सर्विस रोड और नाली न बनने से बारिश का पानी घरों में घुस रहा है। ग्रामीणों ने तत्काल निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की है।

आबादी क्षेत्र घोषित करने की मांग

नरसिंहपुर। गत दिवस ग्राम पंचायत पाठा पिपरिया के निवासियों ने खसरा नंबर 126/1 की 6 एकड़ शासकीय भूमि को आबादी क्षेत्र घोषित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया कि इस भूमि पर उनके मकान बने हुए हैं, जिसे आबादी घोषित करने से उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

अज मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का आगमन आज

नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम का 16 जुलाई को नरसिंहपुर जिले का प्रवास निर्धारित है। उनके आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह है तथा स्वागत की व्यापक तैयारियां की गई हैं जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम कर दोपहर 1 बजे भाजपा जिला कार्यालय, नरसिंहपुर में आयोजित बैठक एवं स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद करेंगे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत सुभाष वार्ड स्थित रेस्ट हाउस परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला अस्पताल के एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. बृजेश पटेल, डॉ. अमित सोनी, प्रशांत सोनी, इमाम मंसूरी एवं उनकी टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श व उपचार प्रदान किया। शिविर में स्थानीय नागरिकों के रक्तचाप और शुगर की जांच की गई, साथ ही जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क औषधियाँ वितरित की गईं। इस अवसर पर स्वामी श्री अमृतानंद महाराज ने संगठन के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज के वंचित वर्गों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। नगर अध्यक्ष शुभम गुप्ता ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जनकल्याण की भावना को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख राधे साहू, मुकेश ठाकुर, वार्ड पार्षद सौरभ ठाकुर, दुर्गा वाहिनी की टीम और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

स्कूलों में छात्र-छात्राओं को दी गई पॉक्सो अधिनियम की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने चलाया जागरूकता अभियान

गोटेगांव। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अखिलेश शुक्ला के निर्देशन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में पॉक्सो अधिनियम-2012 के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायाधीश दिनेश मीणा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी राजेश कुमार सक्सेना ने श्रीनगर एवं बगासपुर क्षेत्र के पांच विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी।कार्यक्रम में पॉक्सो अधिनियम, गुड टच-बैड टच, मोबाइल के सदुपयोग एवं दुरुपयोग, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए किसी भी प्रकार के शोषण या अपराध की स्थिति में बिना भय कानूनी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्राओं के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, पीएलबी गोपाल ब्यौहार एवं दीपचंद सोनी उपस्थित रहे।

मौत के साये में साप्ताहिक बाजार, एनएच 45 मुख्य सड़क मार्ग पर लग रही दुकानें

तेंदूखेड़ा। एक तरफ शासन प्रशासन सुरक्षित आवागमन के लिए राजमार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के दावे करते आ रहा है।वहीं दूसरी तरफ जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर जबलपुर जयपुर और झांसी नागपुर को जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग चौराहे पर लगने वाला साप्ताहिक बाजार इन दावों की पोल खोल रहा है। पूर्व में हुई शिकवा शिकायतों के बाद बाजार का स्थान तो बदला लेकिन यह अब और भी अधिक खतरनाक जगह पर शिफ्ट हो गया है। जबलपुर की ओर जाने वाले इस व्यस्त मार्ग पर बाजार के कारण कभी भी कोई बड़ी अनहोनी घट सकती है।

अतिक्रमण से घिरे वाहन बढ़ रहा हादसों का खतरा राजमार्ग पर भारी वाहनों की निरंतर आवाजाही बनी रहती है। दुकानदारों ने फोरलेन सड़क के किनारे ही अपनी दुकानें सजा रखी है।जिसके कारण सड़क का दायरा कम हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यहाँ अक्सर वाहनों के ब्रेक फेल होने या स्टेयरिंग लॉक होने जैसी तकनीकी खराबी की घटनाएं होती रहती हैं। और दुर्घटनायें भी घटित हो चुकी है। फिर भी प्रशासन ने इससे सबक नहीं लिया है।यदि ऐसा कोई वाहन साप्ताहिक बाजार के दिन बेकाबू होकर भीड़ में घुसा तो कल्पना से परे भीषण हादसा हो सकता है।स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि इस पूरे मामले में स्थानीय ग्राम पंचायत को ध्यान देना चाहिए।जिसकी भूमिका संदेह को जन्म देती है।जिस स्थान पर बाजार लग रहा है। वह एनएचएआई की भूमि है। इसके बावजूद बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के यहाँ व्यापारियों से बाजार शुल्क की वसूली की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि वसूली करने वाले लोगों के पास न तो कोई आधिकारिक रसीद होती है और न ही वे पंचायत के अधिकृत कर्मचारी हैं।

सुविधाओं का अभाव प्रशासनिक मौन बाजार में मूलभूत सुविधाओं जैसे साफ-सफाई पेयजल या पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। व्यापारियों का कहना है कि वे मजबूरन सड़क के किनारे बैठने को विवश हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस अव्यवस्थित बाजार को तत्काल सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए और एनएचएआई की जमीन पर हो रहे इस जोखिम भरे व्यापार पर रोक

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ एवं सवा लाख रुद्री निर्माण 14 अगस्त को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, होंगे धार्मिक अनुष्ठान और कथा प्रवचन

करेली। श्रावण मास के पावन अवसर पर करेली बस्ती में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ एवं सवा लाख रुद्री निर्माण का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 15 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में सम्पन्न होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन का शुभारंभ 15 अगस्त (शनिवार) को होगा। इसके पूर्व 14 अगस्त (शुक्रवार) प्रातः 9 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। कथा व्यास के रूप में

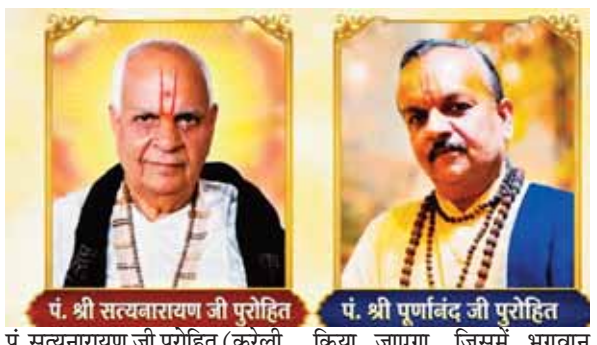

पं. सत्यनारायण जी पुरोहित (करेली बस्ती) एवं पं. पूर्णानंद पुरोहित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का वाचन करेंगे। प्रतिदिन प्रातः 730 बजे से 11 बजे तक पारायण पूजन, सवा लाख रुद्री निर्माण एवं शिवार्चन होगा। इसके बाद दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं सहित धर्म, भक्ति और वैराग्य से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। सप्ताह के दौरान 15 अगस्त को श्रीमद्भागवत महात्म्य, 16 अगस्त को श्री शुकदेव जन्म एवं सृष्टि वर्णन, 17 अगस्त को ध्रुव एवं प्रह्लाद चरित्र, 18 अगस्त को रामावतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 19 अगस्त को बाल लीलाएं एवं गिरिराज पूजन, 20 अगस्त को रुक्मिणी विवाह तथा 21 अगस्त को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष एवं पूर्णाहुति का प्रसंग होगा। आयोजन शास्त्री वार्ड, करेली बस्ती स्थित पं. सत्यनारायण जी पुरोहित के निज निवास पर आयोजित किया जाएगा। पाठ पारायण पूजन रूद्री निर्माण शिवार्चन प्रतिदिन प्रातः 7.30 बजे से 11 बजे तक पार्थिव पूजन, सवा लाख रुद्री निर्माण एवं शिवार्चन किया जाएगा। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग से आयोजन में सहभागी बनकर कथा श्रवण, रुद्री निर्माण एवं धार्मिक अनुष्ठानों का पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

नेतृत्व एक पद नहीं बल्कि जीवन भर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है - मुकेश जैन

करेली। अबोड स्कूल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 का गरिमामय आयोजन**पावनी जैन हेड गर्ल, अर्श अहमद हेड बॉय निर्वाचित**नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था अबोडः द स्कूल ऑफ ड्रीम्स में छात्र नेतृत्व, अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं सेवा-भाव की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से इन्वेस्टिचर सेरेमनी (छात्र परिषद शपथ ग्रहण) 2026 का गरिमामय आयोजन किया गया।**समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकेश जैन,चेयरपर्सन रहे । मंचासीन अतिथियों में संजय गुप्ता सीनियर एजुकेशन कोऑर्डिनेटर, मनोज जैन, श्री संजय गुप्ता (चीफ एजुकेशन कोऑर्डिनेटर), श्री सिद्धार्थ किलेदार (ऑडिटर) तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मणिका मैम की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।**इसके पूर्व अतिथियों के आगमन पर विद्यालय के घोषदल द्वारा मार्चपास्ट और सलामी दी गई, इसके पश्चात सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। विद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत तिलक एवं स्मृति चिन्ह से किया । अतिथियों के सम्मान में कक्षा 5 की छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई । प्राचार्या श्रीमती मणिका मैम ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उनका परिचय उपस्थित जनसमूह से कराया।**समारोह के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज एवं सैश पहनाकर उनके पदों की औपचारिक जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इस वर्ष अर्श अहमद को हेड बॉय तथा पावनी जैन को हेड गर्ल नियुक्त किया गया।** *इसके अतिरिक्त आव्यांशी जैन को डिसिप्लिन इंचार्ज, अभि जैन वॉइस डिसिप्लिन इंचार्ज,वेदिका स्वामी स्पोर्ट्स कैप्टन, लक्ष्य विश्वकर्मा वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन, आराध्या कौरव कल्चरल सेक्रेटरी, वैदिक गुप्ता वाइस कल्चरल सेक्रेटरी, प्राकृत भारिल्ल को लिटरेरी सेक्रेटरी तथा ऐश्री जैन को वाइस लिटरेरी सेक्रेटरी नियुक्त किया गया।**चारों सदनों के नेतृत्व हेतु वेदिका चौकसे (दर्शन हाउस कैप्टन), वैदिक मिश्रा (दर्शन हाउस वाइस कैप्टन), शनाया कोहली (ज्ञान हाउस कैप्टन), युवान सोनी (ज्ञान हाउस वाइस कैप्टन), सारांश कौरव (चरित्र हाउस कैप्टन), मानसी राजपूत (चरित्र हाउस वाइस कैप्टन), राजवी साहनी (तप हाउस कैप्टन) तथा अनुज अग्रवाल (तप हाउस वाइस कैप्टन) को दायित्व सौंपे गए। वहीं विभिन्न क्लबों के लिए श्राव्या बडकुर (लिटरेरी क्लब हेड), अनुश्री सोनी (परफॉर्मिंग आर्ट्स क्लब हेड), जिनांशी बडकुर (सोशल मीडिया क्लब हेड), अनादि चौकसे (कोडिंग एवं रोबोटिक्स क्लब हेड) तथा आराध्या पटेल (इको क्लब हेड) के साथ प्रीफेक्ट मेंबर्स को नेतृत्व की जिम्मेदारी प्रदान की गई।**इसके उपरांत विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मणिका मैम ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सभी पदाधिकारियों को सत्यनिष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषण

रा.मा.क्र. 145 अ-20(1) वर्ष 2025.26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 15 नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेली प्लॉट क्र. 4/229 रकबा 800 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता. नेहा कुरैशी आ. अजीमुद्दीन कुरैशी सा. कंदेली उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम /पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष मे प्रकरण विचाराधीन है . नेहा कुरैशी आ. अजीमुद्दीन कुरैशी सा. कंदेली उक्त अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातःः11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। इश्तेहार आज दिनांक 01/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषण

रा.मा.क्र. 144 अ-20(1) वर्ष 2025.26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 15 नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेली, प्लाट क्र. 4/111 रकबा 800 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता. शाईमा कुरैशी आ. अजीमुद्दीन कुरैशी सा. कंदेली उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम /पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष मे प्रकरण विचाराधीन है . शाईमा कुरैशी आ. अजीमुद्दीन कुरैशी सा. कंदेली उक्त अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातःः11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। इश्तेहार आज दिनांक 01/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर